

केस अध्ययन

1. सुनन्दा को 30 नवम्बर को सुबह 8:20 पर बच्चा पैदा हुआ। प्रसव के समय 8 माह 5 दिन का गर्भकाल पूरा हो चुका था। शिशु का वजन 1 कि. 950 ग्रा. था। शिशु पहले 6 दिनों तक बिल्कुल ठीक था। सातवें दिन जब आशा वहाँ गई, उसने पाया कि शिशु ने स्तनपान करना बंद कर दिया है और उसका पेट फूला हुआ है। उसकी साँस तो ठीक चल रही थी, पर उसका रोना कमजोर था। उसका वजन 1 कि 900 ग्रा. था। आशाने सेप्सिस (जन्तुदोष) का निदान किया, क्योंकि शिशु ने दूध पीना बंद कर दिया था और उसका पेट फूला हुआ था।

आप सबसे पहले क्या करेंगी ?

शिशु का क्या उपचार किया जाएगा ? (कितनी खुराक/कितने दिन)

आप शिशु को देखने कितनी बार जाएँगी ?

आप माता-पिता को शिशु की घरेलू देखभाल के बारे में क्या बताएँगी ?

1.

2.

3.

आशा का नाम

 तारीख

प्रशिक्षक का नाम

 कुल अंक

ब्लॉक

2. विमल ने जन्म के अनुमानित समय से 1 हफ्ते बाद शिशु को जन्म दिया। उसका वजन 2.9 कि.ग्रा. था। वह तन्दुरुस्त और स्वस्थ था। आशाने विमल को उसे स्तनपान कराने में मदद की और 1 घंटे पर उसकी जाँच की। दसवें दिन माँ ने बताया कि शिशु ठंडा पड़ रहा है। उसका तापमान 93°F पाया गया। उसका वजन 3 कि.ग्रा. था। वह दूध भी पी रहा था और रो भी रहा था, पर उसकी छाती अंदर को धँसी थी। उसका पेट मुलायम था और हाथ-पैर भी ठीक थे। उसकी नाल ठीक हो चुकी थी। आशाने सेप्सिस (जन्तुदोष) का निदान किया।

आप सबसे पहले क्या करेंगी।

शिशु के उपचार करने के लिए, पूर्व स्वीकृति लेने वाले फॉर्म पर माता-पिता से हस्ताक्षर क्यों करवाना चाहिए ?

आप क्या उपचार देंगी ? (कारण लिखें)

लौट जाने से पहले आप माता-पिता को क्या-क्या बताएँगी ?

आप कितनी बार शिशु को देखने जाएँगी ?

3. ताराबाई को चौथा बच्चा होने वाला था। शिशु का जन्म 7 महीने 27 दिन के गर्भकाल पूरा होने पर हुआ और उसका वजन 1.65 कि.ग्रा. था। शिशु ने 14 दिन तक स्तनपान नहीं किया। अठ्ठाईसवें दिन उसका वजन 2.250 कि.ग्रा. हो गया था। आशाने दूसरे महीने में शिशु के घर जाना जारी रखा और उसका वजन बढ़ाने की और अधिक कोशिश की। पैतालीसवें दिन शिशु के हाथ पैर लुंज पुंज थे और माँ ने बताया कि शिशु का शरीर छूने पर ठंडा लगता है। आपने उसका तापमान लिया और 94° फ़ै. (34.4° सें.) पाया और आशाने सेप्सिस (जन्तुदोष) का निदान किया।

शिशु में जन्म के समय खतरे वाले क्या लक्षण दिखाई दिए ?

सेप्सिस (जन्तुदोष) की पहचान के लिए कौन से लक्षण ध्यान में रखे गए ?

आप माता-पिता को सेप्सिस (जन्तुदोष) और इसके उपचार के लिए पूर्व स्वीकृति लेने के बारे में क्या बताएँगी ?

उपचार के लिए आप कितनी खुराक देंगी और कितने दिनों तक ?

शिशु की घरेलू देखभाल के बारे में आप माता-पिता को क्या बताएँगी ?